>

Title: Regarding delay in establishment of petrol pumps/LPG agencies allotted to the families of martyrs defence personnels/officers by the oil companies.

श्री संतोष गंगवार : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान पैट्रोलियम मंत्रालय के लापरवाहीपूर्ण रवैये की ओर दिलाना चाहता हूं। कारगिल युद्ध के बाद एन.डी.ए. सरकार ने सेना में शहीद हुये लोगों के लिये पैट्रोल पम्प और गैस एजैंसीज़ आवंटित करने का निर्णय लिया था। उस निर्णय के अंतर्गत मेरे जनपद के लैफ्टिनैंट पंकज कुमार अरोड़ा, जो 25 वर्ष की आयु में शहीद हो गये थे, को 2004 में रिटेल आउटलैट आवंटित किया गया था। दुर्भाग्य की बात है कि तीन वर्ष निरंतर लिखने के बावजूद यह रिटेल आउटलेट नहीं दिया गया है क्योंकि यह मंत्रालय द्वारा खरीदकर उसे व्यवस्थित किया जाता है । मैंने इस संदर्भ में कई बार मंत्रालय को पत्र लिखे हैं। हर बार यही कहा जाता है कि निदेशक, विपणन द्वारा जांच कराई जा रही है। पिछले तीन वर्षों से पीड़ित परिवार के लोग इस काम के लिये घूम रहे हैं लेकिन उन लोगों को बार-बार वही उत्तर दिया जा रहा है। इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का अंत कब होगा, मैं समझ नहीं पा रहा हूं। तीन साल होने के बाद भी उसके वृद्ध माता-पिता को अभी तक रिटेल आउटलैट आवंटित नहीं किया गया है।

सभापति महोदय, इसी प्रकार की एक और घटना है। बरेली जनपद के लैफ्टिनैंट कर्नल जी.एस.िबष्ट लड़ाई में शहीद हो गये जिन्हें शौर्य चक्र दिया गया। इस संबंध में मंत्रालय को बार बार लिखा जा रहा है परन्तु वह इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। मंत्रालय जिन कामों में लगा हुआ है, मैं उनका यहां उल्लेख नहीं करना चाहता। इसलिये मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि इन दोनों मामलों में रुचि लेकर उपयुक्त निर्णय और कार्यवाही करने का निदेश दें।